वर्षः 2। पत्रिका अंकः 1 | **कोविड–19 विशेषांक** | मई 2020

उमंग कार्यक्षेत्र मे करोना से बचाव हेतू सहयोग

		गोड्डा	जामताड़ा
सहयोग कर रहे कार्यकर्ताओं की संख्या		28 कार्यकर्ता + 50 किशोरियाँ	27 कार्यकर्ता + 75 किशोरियाँ
गाँवों की संख्या जहाँ सहयोग दिया गया		26	56
लाभार्थी	महिलाएँ	305	1481
	किशोरी	518	1246
	समुदाय	170	1219
सैनिटाइज़ेशन किट (मास्क, साबुन, डेटॉल, सैनिटाइज़र) का वितरण		257	725
सूखा राशन वितरण		x	100

28 अप्रैल, 2020 का डाटा

> “वैश्विक महामारी कोरोना वाइरस से सम्पूर्ण विश्व त्रस्त है। इसी क्रम में भारत भी इससे जूझ रहा है। सरकार के द्वारा जारी किये गए निर्देशों का पालन करें और घर पर ही रहें, तो जल्द ही जंग जीत जाएँगे। निश्चित रूप से वर्तमान स्थिति चुनौतीपूर्ण है, इस चुनौतीपूर्ण समय में उमंग परियोजना की ओर से काफी सहयोग प्राप्त हो रहा है। हम सब समग्रता और समूह के साथ इस जंग का सामना करें।”

गणेश कुमार, भा.प्रा.से.
उपायुक्त, जामताड़ा

प्रिय पाठकों,

आशा है की आप और आपके सभी परिजन स्वस्थ और सुरक्षित होंगे। **नोवेल कोरोना वायरस (कोविड–19)** के प्रसार ने राष्ट्रों को स्थगित कर दिया है और हमारे दैनिक जीवन के तरीकों को काफी हद तक बदल दिया है। कार्यालयों, स्कूलों और अन्य आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है ताकि लोग सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें और खुद सुरक्षित रहें एवं दूसरों को सुरक्षित रहने में मदद कर सकें।

अभी की स्थिति में एक "नया सामान्य" (*new normal*) प्रकट हुआ है, जो आने वाले लम्बे समय तक प्रभावी रहेगा।

वैश्विक संकट के इस समय में **उमंग वाणी** का यह संस्करण **आई. सी. आर. डब्लयु.–एशिया** एवं हमारी सहयोगी संस्थाओं द्वारा कोविड–19 के लिए किए जा रहे राहत कार्यों और प्रयासों की जानकारी प्रस्तुत करता है।

राष्ट्रीय लॉकडाउन के अनुपालन तथा लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किशोर–किशोरियों, माता–पिता और समुदाय के साथ की जा रही उमंग कार्यक्रम की सभी फील्ड–स्तरीय गतिविधियों को स्थगित कर दिया गया है।

इस कठिन परिस्थिति में, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि **आई. सी. आर. डब्लयु. – एशिया** और हमारी सहयोगी संस्थाएँ – **साथी, बदलाव फॉउण्डेशन और प्रोजेक्ट कन्सर्न इंटरनेशनल** – की **उमंग** टीम, झारखण्ड के गोड्डा और जामताड़ा जिलों में सामुदायिक सहयोग और सहायक गतिविधियों में जुड़ी हुई है।

हम सरकार, जिला प्रशासन एवं अन्य हितधारकों के साथ मिलकर विभिन्न तरीकों से सहायता प्रदान कर रहे हैं, जैसे आवश्यक वस्तुओं और चीजों की तैयारी एवं वितरण, कोरोना वायरस के संपर्क में आने के जोखिम को कम करने के लिए जागरूकता अभियान, और सरकार के अभियान का समर्थन। **उमंग** टीम किशोरियों तक पहुँचने के तरीके खोजने और कोविड–19 लॉकडाउन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

हमें इस बात की और भी खुशी है की, अभी तक चलाए गए **उमंग** के अभियान से जुड़ी कई किशोरियों ने अपने क्षेत्र में सभी के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई सराहनीय काम किये हैं, जैसे घर पर मास्क बनाना और उसका वितरण एवं सोशल मीडिया द्वारा जन–जागरण को बढ़ावा देना। **उमंग वाणी** के इस अंक में हम इन सभी प्रयासों को आपके सामने लाए हैं।

हम इस संकट के समय विभिन्न समूहों, विशेषकर महिलाओं और लड़कियों की संवेदनशीलता से भी परिचित हैं। लड़कियों को स्कूली–शिक्षा से वंचित कर घर के कामों का बोझ उनके ऊपर डाल दिया जाता है, फलस्वरूप उन पर हिंसा और जल्दी शादी का खतरा बढ़ता जाता है। सामाजिक मूल्यों के चलते, इस असामान्य परिस्थिति में इस बात की सम्भावना और भी ज़्यादा हो गयी है।

उमंग कार्यक्रम से जुड़े सभी कार्यकर्ता इस बात के लिए विशेष रूप से सजग हैं। हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं की हम उन सभी परिवारों तक पहुँच पाएँ जहाँ इस बात की ज़्यादा सम्भावना है और उन परिवारों में माता–पिता और किशोरियों को प्रोत्साहित कर सकें की वह अपनी शिक्षा कोविड–19 लॉकडाउन के पश्चात् जारी रख सकें।

हम आशा करते हैं कि **उमंग वाणी** का यह विशेष संस्करण गोड्डा और जामताड़ा में समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए की जा रही विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने में सफल होगा, और आप सभी को मूल्यवान जानकारी प्रदान करेगा।

आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ,
डॉ.रवि वर्मा, रीजनल डायरेक्टर,
आई.सी.आर.डब्लयु.–एशिया, नई दिल्ली

कोविड से सुरक्षा: सुदूर गाँव को दिया खुश्बू कुमारी ने मास्क का उपहार

14 वर्ष की **खुश्बू कुमारी** गोड्डा के बूढ़ीकुरा मिडिल स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ाई करती है। **उमंग कार्यक्रम** के तहत किशोरियों के साथ स्कूल एवं समुदाय स्तर पर आयोजित सत्रों में खुश्बू पूरी ज़िम्मेदारी के साथ भाग लेती है। बूढ़ीकुरा गाँव गोड्डा से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। संसाधनों और संचार की पहुँच के मामले में यह गोड्डा प्रखंड का सबसे अंतिम गाँव है। ऊर्जावान होने के साथ ही खुश्बू में किसी भी काम को करने का जज्बा भी है। वह उमंग कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे सत्रों और खेलों में आने के लिए हमेशा उत्साहित रही है।

लॉकडाउन के दौरान, खेल और सत्र पूरी तरह से बंद हो गए हैं। इससे खुश्बू बहुत परेशान हो गई, क्योंकि वह अपने समूह से नहीं मिल पा रही थी और न ही खेल पा रही थी।जब उसने टेलीविजन के माध्यम से कोरोना वायरस की सावधानियों के बारे में देखा, जैसे मास्क का उपयोग करना, तो उसने तुरंत उमंग कार्यकर्ता से संपर्क किया और पूछा कि उसे और उसकी सहेलियों को मास्क कैसे मिलेगा क्योंकि अब गाँव से बाहर निकलना भी मुमकिन नहीं। फिर, उमंग कार्यकर्ता, शबनम, ने उसे इंटरनेट द्वारा घर पर मास्क बनाने के कुछ वीडियो दिखाए। खुश्बू वीडियो देख के प्रेरित हुई और उसने कुछ साफ पुराने कपड़ों का उपयोग करके अपनी माँ की सिलाई मशीन से मास्क बनाने की कोशिश की। शुरुआत में, उसने एक मास्क बनाया और उसे अपनी माँ को दे दिया।

फिर, एक–एक करके उसने अपने परिवार के लिए मास्क बनाए। बाद में, उसने कुछ मास्क अपने समूह के दोस्तों को भी वितरित किए। उमंग कार्यकर्ता ने उसे और अधिक मास्क बनाने तथा ग्रामीणों को कुछ पैसों के बदले मास्क वितरित करने के लिए प्रेरित किया। वह अब खुद मास्क बनाकर सुदूर गाँव के ग्रामीणों को वितरित कर रही है। अब तक, खुश्बू करीब 120 मास्क बनाकर वितरित कर चुकी है।

इस तरह अपनी सूझ–बूझ से खुश्बू ने अपने गाँव को कोविड–19 से सुरक्षित रहने के लिए एक अच्छा संसाधन दिया है।

कोरोना की जंग में उमंग परियोजना सरकार के संग!

कोविड–19 से निपटने के लिए सामुदायिक स्तर पर सरकार द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान में उमंग परियोजना समन्वय बनाकर चल रहा है। उमंग परियोजना के कार्यकर्ताओं द्वारा कोविड–19 से जुड़ी सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ, उनके अनुश्रवन का काम भी किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में सरकार की जन–वितरण प्रणाली के तहत, राशन वितरण के दौरान यह सुनिश्चित कराया जा रहा है कि सभी लोग सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करें और सभी को निर्धारित मानदंडों के अनुसार राशन प्राप्त हो। साथ ही, सामुदायिक रसोईयों के प्रचार–प्रसार में किशोरियाँ भी सहयोग दे रही हैं।

सरकार के साथ, संयुक्त राहत अभियान के तहत, उमंग कार्यकर्ताओं ने रोकथाम व बचाव के उपायों और सैनिटाइज़र के उपयोग के संबंध में ग्राम–स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (ASHA) के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

गोड्डा ज़िले में प्रशासन द्वारा गठित जिला–स्तरीय कोविड–19 रोकथाम दल में **उमंग टीम** को भी शामिल किया गया। इसके अंतर्गत उमंग की साथी टीम के करीब 15 सदस्यों को जिला स्वास्थ्य तकनीकि दल द्वारा संक्रमण रोकथाम एवं जागरूकता हेतु एक–दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसके पश्च्यात, जिला तकनीकी दल द्वारा प्रायोगिक तौर पर ग्राम दौरा करवाकर, संक्रमित रोगियों की पहचान, सोशल डिस्टेंसिंग, स्वच्छता सामग्री का उपयोग, मास्क का उपयोग, इत्यादि, पर फिर से उन्मुख किया गया।

वर्तमान में, साथी की **उमंग टीम** ने जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला मे जागरूकता कार्य को जारी रखा है। जामताड़ा ज़िले में भी बदलाव फॉउण्डेशन, प्रशासन के साथ मिलकर, जागरूकता एवं स्वच्छता सामग्री का उपयोग, मास्क का उपयोग, इत्यादि, की जानकारी समुदाय में दे रहा है। साथ ही, कोरोना से बचाव के प्रचार प्रसार कार्य के लिए "मदर एन.जी.ओ" (Mother NGO) के रूप में बदलाव फॉउण्डेशन का चुनाव किया गया है, और इसकी सूचना ग्रामीण विकास विभाग को दे दी गई है।

इसी क्रम में प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल की **उमंग टीम** ने झारखण्ड राज्य आजीविका प्रमोशन संस्था (JSLPS) के साथ मिलकर आम जीवन पर लॉकडाउन के प्रभावों को समझने की पहल की है। इसी संस्था की टीम ने गोड्डा, सदर और जामतारा के नाला प्रखंडों से लगभग 45 स्वयं–सहायता समूहों के प्रतिनिधियों से बात की। इन महिलाओं ने यह बताया की उनका समुदाय आर्थिक रुप से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, क्योंकि अधिकांश लोग दिहाड़ी मजदूरी करते हैं और उनके पास काम नहीं है। साथ ही, परिचालन पर प्रतिबन्ध की वजह से दुकाने भी बंद हैं। बैंक में जमा पैसों से गुजारा हो रहा है, जो धीरे–धीरे खत्म हो रहे हैं।

स्थिति की समझ बनने के साथ ही, स्वयं–सहायता समूहों के सहयोग से, कुछ "दीदी किचन" सभी पंचायतों में शुरू कर दिए गए। यह स्वयं–सहायता समूहों की महिलाओं का एकमात्र जीविकोपार्जन स्त्रोत है। मास्क बनाने का काम भी शुरू किया गया है। साथ ही, उमंग कि टीम ने प्रवासी मज़दूरों की लिस्ट साँझा करने में सरकार की मदद की है। गाँव के स्तर पर "बैंक सखी" और "दीदी हेल्पलाइन नंबर" पर जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम हेतु जागरूकता बढ़ा रहे हैं उमंग के कार्यकर्ता

कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के उपायों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए उमंग टीम द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों पर एक रिपोर्ट...

● हमारे सहयोगी, **साथी** और **बदलाव फॉउण्डेशन**, कोविड–19 संक्रमण के जोखिम को कम करने एवं लोगों में व्यवहार–परिवर्तन अभियान की शुरुआत करने के लिए ज़िला प्रशासन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसमें ग्रामीणों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की अवधारणा और अभ्यास, हाथ धोने और मास्क पहनने पर जागरूकता, और आत्म–क्षमता (self-efficacy) को बढ़ाना शामिल है।

● **बदलाव फॉउण्डेशन** ने उमंग कार्यक्रम के कार्यकर्ताओं (जो देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अभी अपने–अपने गाँवों में हैं) के माध्यम से गाँवों में जागरूकता के स्तर को बढ़ाने के लिए एक पहल शुरू की है। इनमें से कई कार्यकर्ता स्वेच्छा से अपने संबंधित स्थानों (गाँवों) में कोविड–19 राहत कार्य के प्रयासों में शामिल हैं और उमंग कार्यकर्ता के रूप में समय समर्पित कर रहे हैं।

● **उमंग टीम** के कार्यकर्ताओं ने कोविड–19 के रोकथाम एवं बचाव के उपायों के साथ ही सैनिटाइज़र के उपयोग के उन्मुखीकरण में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (सहिया, सेविका एवं सहायिका) का पूर्ण रूप से मार्गदर्शन एवं सहयोग किया। संक्रमण के जोखिम से बचने के लिए, उमंग कार्यकर्ता खुद व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों (मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग) का प्रयोग करते हुए जागरूकता–सृजन गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

● इसी क्रम में, जामताड़ा ज़िले के नाला प्रखंड के अफज़लपुर गाँव में उमंग कार्यकर्ता ने गाँव के दो सेविका और दो सहिया के साथमिलकर गाँव के सभी टोलों में कोविड–19 के प्रति जागरूकता अभियान चलाया। **उमंग कार्यकर्ता** ने सेविका, सहिया और ग्रामीण स्वयं सेवकों के साथ मिलकर 150 घरों का भ्रमण किया और हाथ धोने तथा सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर ग्रामीणों एवं किशोरियों से बातचीत की।

● अभियान के दौरान किशोरी के माता–पिता से भी आग्रह किया कि केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित लॉकडाउन का पालन करें, और दैनिक जीवन में सोशल डिस्टेंसिंग, का व्यक्तिगत रूप से भी अभ्यास करें ताकि इस महामारी से सुरक्षित रहा जा सके।

● गाँव के मंदिर में सेविका, सहिया, सखी मंडल जलसहिया, ग्रामीण स्वयंसेवक एवं मुखिया के साथ संयुक्त बैठक की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं प्रवासी मजदूरों को स्वास्थ्य–सम्बंधित जानकारी देना एवं मुख्यमंत्री मानव सेवा योजना के लाभ पर चर्चा करना था। ऐसे सामुदायिक–स्तर के सत्रों के दौरान, **उमंग कार्यकर्ता** फेस मास्क वितरित कर रहे हैं, और इसके समुचित उपयोग पर ग्रामीणों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

● पीने के पानी का संग्रह एक महत्वपूर्ण दैनिक घरेलू काम है, जिसके लिए सामुदायिक नल और हैंडपंप पर जाने की आवश्यकता होती है। इस तरह की दैनिक घटनाओं में जल स्रोतों के आसपास भीड़ के इकट्ठा होने की संभावना अधिक होती है, जो संक्रमण के खतरे को बढ़ा सकती है। **उमंग कार्यकर्ताओं** ने ग्रामीणों को एक दूसरे से 6 फीट की आवश्यक दूरी बनाए रखते हुए, लोगों को खड़े होने के लिए सफेद चाक के साथ हलकों (वृत्त) को खींचने के लिए प्रशिक्षित किया। इससे लोगों को उचित दूरी बनाए रखने और जल संग्रह के दौरान निकट संपर्क से बचने में मदद मिली।

● गोड्डा ज़िले में **उमंग कार्यकर्ताओं** द्वारा गोड्डा व महागामा प्रखंड से 11 गाँवों के कुल 250 परिवारों को सैनिटाइज़ेशन किट का वितरण किया गया। सैनिटाइज़ेशन किट के उपयोग के प्रशिक्षण में स्थानीय किशोरियों की भूमिका सुनिश्चित की गई ताकि वे परिवार के महिलाओं, बच्चे, बीमार और वृद्धों को इसके उपयोग के बारे में प्रभावी तौर पर बता सके।

● किशोरी समूह एवं **उमंग कार्यकर्ताओं** के सामूहिक प्रयास से गाँवों में ज़रूरतमंद परिवारों की सूची तैयार की गई। सबसे पहले किशोरी समूह को सैनिटाइज़ेशन किट के उपयोग एवं ज़रूरतों पर उन्मुखीकरण किया गया। किशोरी समूह की किशोरियों ने अपने घर एंव अपने आसपास के लोगों को भी यह जानकारी दी।

● सोशल डिस्टेंसिंग, हाथ धुलाई व स्वच्छता पर जागरूकता के तहत सत्रों का आयोजन गोड्डा तथा महागामा प्रखंड के गाँवों में भी किए गए हैं।

कोरोना संकटः ज़रूरतमंदों को भोजन, सामग्री तथा सैनिटाइज़ेशन किट के वितरण

देशव्यापी लॉकडाउन में उमंग परियोजना के कार्यकर्ता कर रहे हैं ज़रूरतमंदों की सहायता....

कोविड–19 से उत्पन्न इस मुश्किल समय में सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्रों मे रहने वाले एवं दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों पर पड़ा है। झारखण्ड राज्य के गोड्डा एवं जामताड़ा ज़िले की लगभग 73% जनसंख्या गाँवों में रहती है। गाँवों के लोगों का प्रमुख व्यवसाय दैनिक मजदूरी एवं खेतीबाड़ी है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, **बदलाव फॉउण्डेशन** एवं **उमंग परियोजना** के संयुक्त प्रयोजन से 12 अप्रैल 2020 को केवटजाली गाँव में ज़रूरतमंद परिवारों में खाद्य सामग्री, खादी का मास्क, साबुन एवं सैनिटाइज़र का वितरण किया गया। इसी तरह, मिहिजाम के रेलवे ट्रैक के आस–पास निवास करते 65 असहाय परिवारों को खाद्य सामग्री, खादी का मास्क एवं साबुन वितरित किया गया।

इसके अलावा, जामताड़ा एवं नाला के 27 गाँवों में उमंग प्रोग्राम से जुड़ी लगभग 1,700 किशोरियों में मास्क एवं साबुन के वितरण हेतु **उमंग परियोजना** के तहत **बदलाव फॉउण्डेशन** ने बीड़ा उठाया है। चयनित गाँवों में 10–18 वर्ष की प्रत्येक किशोरी को एक मास्क और एक साबुन दिया जा रहा है। साथ ही, सभी को सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की आवश्कता पर जागरुक किया जा रहा है।

किशोरियों द्वारा सैनिटाइज़ेशन किट का वितरण

उमंग परियोजना के तहत **साथी संस्था** द्वारा गोड्डा व महागामा प्रखंडों के कुल 11 गाँवों के कुल 250 परिवारों को साबुन, डेटोल, फिनाईल, मास्क एवं सैनिटाइज़र वितरित किया गया। वितरण तथा किट के उपयोग के प्रशिक्षण में स्थानीय किशोरियों की भूमिका सुनिश्चित की गई ताकि वे परिवार की महिलाओं, बच्चों, बीमार व वृद्धों को इसके उपयोग के बारे में प्रभावी तौर पर बता सकें। इसके अलावा, **साथी संस्था** द्वारा संस्थागत–स्तर पर, बोआरीजोर एवं सुंदरपहाड़ी प्रखंडों में लगभग 500 परिवारों को सैनिटाइज़ेशन किट, राशन एवं अन्य ज़रूरत की सामग्री वितरित किया गया।

उमंग टीम द्वारा तेल एवं अन्य ज़रूरत की सामग्री का वितरण

चन्द्रढीपा गाँव, जामताड़ा में दीदी किचन में उमंग कार्यकर्ताओं ने लोगों की मदद की

झारखण्ड सरकार द्वारा संचालित "दीदी किचन" में उमंग कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान

झारखण्ड सरकार ने सामुदायिक–स्तर पर **"दीदी किचन"** के माध्यम से ज़रूरतमंद लोगों को खाना पका कर देने की जरूरी पहल की है। **उमंग परियोजना** के कार्यकर्ता अपने–अपने गाँवों एवं आसपास चलाये जा रहे दीदी किचन में खाना बनाकर बच्चो एवं महिलाओं को सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए खाना खिला रहे हैं ।

ग्राहक सेवा केंद्र पर आवश्यक दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करती उमंग कार्यकर्ता

सरकार द्वारा गरीबों एवं ज़रूरतमंदों को राहत सामग्री पहुँचाने में उमंग कार्यकर्ताओं का सहयोग

सरकार द्वारा गरीबों एवं ज़रूरतमंदों को राहत सामग्री पहुँचाने का काम जोर–शोर से किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने हेतु **उमंग कार्यकर्ता** अपने गाँवों में ग्राहक सेवा केंद्र पर उपस्थित होकर लोगों के बैंक खातों में आयी सहायता रकम को दिलाने में मदद कर रहे हैं। इसके अलावा, सरकार की तरफ से दी जा रही पेंशन एवं किसानो के खातों में आयी रकम को दिलाने एवं आवश्यक दूरी बनाए रखने की जानकारी प्रदान करने में उमंग कार्यकर्ता सहायता कर रहे हैं।

किशोरियों के उत्साह के सामने हारेगा कोरोना

यस्मिन और नसीमा – दोनों किशोरियाँ गोड्डा के समरी गाँव की रहनेवाली हैं। दोनों की उम्र 15 साल है। दोनों के बीच आपस में बहुत ही गहरी भी दोस्ती है। यस्मिन ने कक्षा 7 तक पढ़ाई की है और नसीमा ने कक्षा 8 तक। उमंग कार्यक्रम के तहत बनाए गए किशोरी समूह के सत्रों में दोनों ही बहुत उत्साह के साथ भाग लेती हैं। यस्मिन अपने समूह की लीडर भी है।

सत्र में आने वाली सभी किशोरियों से बातचीत करने के बाद, इन्हें लगा की इन्हे भी अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए। उमंग कार्यकर्ता, इशरत, ने दोनों किशोरियों का फिर से स्कूल में दाखिला कराने की पहल की।

देशव्यापी लॉकडाउन की स्थिति में उमंग सत्र बंद हो गए। मगर दोनों सहेलियाँ अपने उमंग कार्यकर्ता, इशरत, के साथ लगातार संपर्क में रही हैं और नियमित रूप से विभिन्न मुद्दों पढाई, उमंग के सत्र एवं लॉकडाउन – पर उनके साथ चर्चा करती रही हैं।

इसी दौरान इशरत को सैनिटाइजेशन किट के वितरण के लिए अपने गाँव के ज़रूरतमंद लोगों की एक सूची तैयार करने को कहा गया, तो यस्मिन और नसीमा ने इस ज़िम्मेदारी को लेकर लिस्ट तैयार किया। उन्हें गाँव के सभी व्यक्तियों की जानकरी थी, इसी आधार पर उन्होंने ज़रूरतमंद व्यक्तियों की सूची तैयार की, साथ ही, किट बाँटने में भी अपना सहयोग दिया।

दोनों किशोरियाँ उत्साह के साथ प्रत्येक गतिविधि में सहयोग कर रही हैं। समूह की अन्य किशोरियों को भी सहयोग के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मेरी छोटी सी पहल

आप तूफान को शांत नहीं कर सकते, कोशिश व्यर्थ है।
आप अपने आप को शांत कीजिऐ, तूफान खुद चला जाएगा।।

मेरा नाम बीबी ज़ैनब खातून है। मैं उमंग कार्यकर्ता हूँ। मैं गोड्डा ज़िले के महागामा प्रखंड के घाट गम्हरिया गाँव में रहती हूँ। जबसे कोरोना वायरस के बारे में पता चला, तबसे गाँव में लोग किसी से मिलते–जुलते नहीं हैं। सोशल डिस्टेंस का पालन कर रहे हैं।

लेकिन, मेरे गांव में एक टोला ऐसा भी है जहाँ पर लोग सोशल डिस्टेंस का पालन नहीं कर रहे हैं। किशोरियों से फोन पर मेरी बातचीत बराबर होती रहती है। उन लोगों ने मुझे बताया की उस टोले में घनी आबादी है और टोले के लोग आपस में मिलते रहते हैं। फिर, मुझे लगा कि उन लोगों को समझाना चाहिए पर मुझे डर लग रहा था कि इस लॉकडाउन के समय अगर मैं घर से बाहर निकली तो लोग क्या बोलेंगे? मेरे बारे में क्या सोचेंगे?

मुझे बहुत ज़्यादा डर लग रहा था, लेकिन, घर से निकलना भी बहुत जरूरी था। इसलिए, मैं घर से बाहर निकली और उन लोगों से मिली और कोरोना कितनी भयंकर बीमारी है इसके बारे में उन्हें बताया और अच्छी तरह से समझाया, "आप लोगों से मेरी यही गुजारिश है कि आप लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें"। उसके बाद कुछ किशोरियों एवं उनके माता–पिता को बुलाकर सफेद चाक से गोला बनाकर 1–1 गोले में किशोरियों और अभिभावकों को खड़ा करते हुए उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में समझाया।

साथ ही साथ, किशोरियों और उनके अभिभावकों को हैंडवॉश से हाथ धुलवाए और उन लोगों को बताया कि हम लोगों को बार–बार अपना हाथ साबुन या हैंडवॉश से धोना चाहिए तथा साफ–सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए।

इसी क्रम में, मैंने उन लोगों से कहा, ''आप लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करिए – किसी भी जगह पर इकट्ठे मत होइए, भीड़ मत लगाइए और किसी से भी मत मिलिए। अगर आप किसी जरूरी काम से मिलते हैं, तो सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें, मास्क का उपयोग करें और अपने हाथ साबुन या हैंडवॉश से धो लें। फिर गाँव वाले समझ गए, वे बहुत खुश हुए और बोले, ''हम लोगों को इतना सब कुछ मालूम नहीं था। अब हम लोग सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंगे और एक साथ जमा नहीं होंगे''।

अब इस गाँव के लोग दुसरे गाँव के लोगों को यह जानकारी फोन के माध्यम से दे रहे हैं।

लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थितियों का ग्राम-स्तरीय आकलन

बदलाव फॉउण्डेशन ने **उमंग परियोजना** के तहत जामताड़ा एवं नाला प्रखंडों के 27 गाँवों में कोविड–19 **लॉकडाउन** की वजह से ग्राम–स्तर पर उत्पन्न परस्थितियों का आकलन किया।

इस आकलन के उद्देश्य थे – गाँव से बाहर काम पर गए हुए लोगों और लॉकडाउन से पहले या उसके दौरान लौटे हुए लोगों की संख्या पता करना, उनकी स्वास्थ्य की स्थिति और प्राप्त ज़रूरी सुविधाओं की जानकारी लेना एवं गाँव में रहने वाले लोगों की चुनौतीयों को समझना और उनके निवारण में अपना सहयोग देना।

आकलन में कुछ प्रमुख बातें यह निकलकर आईं – इन 27 गाँवों से लगभग 240 लोग दूर किसी शहर में मज़दूरी या इसी तरह के काम के करते थे, इनमें 102 लोग वापस आए थे, और इनमें लगभग 22 लोगों को सामान्य सर्दी–खांसी तथा बुखार की तकलीफ थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा इन सभी का जामताड़ा सदर अस्पताल में थर्मल स्क्रीनिंग जाँच किया गया और फिर, उन्हें दवा दी गई। अभी, यह सभी व्यक्ति स्वस्थ हैं।

आकलन से यह भी पता चला कि गाँव के लगभग 36 लोग अस्वस्थ हैं, परन्तु इसकी जानकारी नहीं दे रहें हैं। उन ग्रामीणों को पता नहीं था की उन्हें अपने स्वास्थ्य संबधित जानकारी देने एवं लेने के लिए कहाँ जाना चाहिए ।

कुल 27 गाँवों में 389 परिवारों के पास खाने की सामग्री नहीं होने के कारण भूखे रहने की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसमें ज्यादातर परिवार जो दैनिक मजदूरी पर निर्भर थे। कुछ ऐसे ज़रूरतमंद परिवारों को उमंग के कार्यकर्ताओं के द्वारा राशन पहुँचाया गया एवं उनके बैंक खातों में आयी सहायता रकम को दिलाने में भी सहायता की गई।

यदि ग्रामीणों को स्वास्थ्य से सम्बंधित कोई परेशानी है तो वे खुद स्वास्थ्य केंद्र जा सकते हैं, एवं हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करके जानकारी ले सकतें हैं। हेल्पलाइन नंबरों की सूची साथ में दी गई है।

हेल्पलाइन नंबर

सेवाएं	झारखण्ड हेल्पलाइन नंबर	राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर
महिला हेल्पलाइन : घरेलू हिंसा		181
राज्य/राष्ट्रीय महिला आयोग	6204261096 (अमित कुमार: झारखण्ड राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पीएस)	7217735372 (केवल Whatsapp)
मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन	9801114493/9801133966 समय: दिन 12 बजे से शाम 5 बजे तक (रांची जिला प्रशासन की पहल)	08046110007 (NIMHANS हेल्पलाइन)
महिला हेल्पलाइन झारखण्ड पुलिस	9771432103	
कोविड–19 लॉकडाउन : झारखण्ड सरकार द्वारा राशन वितरण के दौरान किसी भी प्रकार के अनियमितता की परिस्थिति में	टोल–फ्री : 1967 और 18002125512	
कोरोना कन्ट्रोल रूम	गोड्डा जिला : 9297878447/9297878390 जामताड़ा जिला : 06433–222245	104

आभार

उमंग कार्यक्रम के समर्थन के लिए हम आईकीया (IKEA) फॉउण्डेशन के आभारी हैं।
इस पत्रिका की रचना और प्रसार में हमारे स्थानीय भागीदारों – साथी (गोड्डा), प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल एवं बदलाव फॉउण्डेशन (जामताड़ा) – के सहयोग लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं।
उमंग वाणी की कल्पना और लेखन में उमंग टीम के इन सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा – **आई.सी.आर.डब्लयु. –** डॉ. रवि वर्मा, अमाजित मुखर्जी, प्रणीता अच्युत, डॉ. नसरीन जमाल, राजेन्द्र सिंह, तन्वी झा, पारस वर्मा, नलिनी वी. खुराना, बिनीत झा और त्रिलोकी नाथ, **प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल –** अंकिता कशिश, नवाब परवेज, **साथी –** डॉ. नीरज कुमार और नेहा सरकार, **बदलाव फॉउण्डेशन –** अरविन्द कुमार और दिनेश यादव।

इस न्यूज़लेटर के बारे में या राहत कार्य के बारे में जानकारी के लिए इन्हें संपर्क करें –

संपर्क व्यक्ति	संस्था का नाम	मोबाइल नंबर
डॉ. नसरीन जमाल	आई.सी.आर.डब्लयु.	9431391359
सुश्मिता मुखर्जी	पी. सी. आई.	8920132942
डॉ. नीरज कुमार	साथी	7004905488
अरविन्द कुमार	बदलाव फॉउण्डेशन	8210932507

ICRW Ranchi Office:
405, 4th Floor, Krishna Mall, Ashok Nagar,
Between Road No. 1&2, Opposite Central GST Office,
Ranchi - Jharkhand - 834002
Tel. - 0651-2244416/2244417

ICRW Asia Regional Office:
C-59, South Ext. Part II, New Delhi-110049
Tel. : 91-11-4664.3333 ,
Fax : 91-11-2463.5142
Email : Info.india@icrw.org

Design By:
Inzenius Consultancy Services Pvt. Ltd./2020/05